20/8/25

20/8/25

वकील वादी / उभयपक्ष उप0। वकील वादी ने प्रा0 पत्र पेश कर वाद को ~~बिड्रा~~ / नोट प्रेस में खारिज किए जाने का निवेदन किया। अतः पत्रावली को इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसला शुमार नं. से कम की जाकर दाखिल दफ्तर हो।